राजकीय महाविद्यालय बड़ौता, गोहाना

पाठ-योजना

बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष, सत्र - (2023-24)

1. माह-जनवरी

प्रथम सप्ताह :- 'प्रेमचन्द' का साहित्यिक परिचय, 'ईदगाह' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

द्वितीय सप्ताह :- 'ईदगाह' कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अतिलघु प्रश्नोत्तर एवं आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर

तृतीय सप्ताह :- जयशंकर 'प्रसाद' का साहित्यिक परिचय, 'पुरस्कार' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

चतुर्थ सप्ताह :- 'पुरस्कार' कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु ~~अतिलघु~~ अतिलघु प्रश्नोत्तर एवं आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

पंचम सप्ताह :- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय, 'गैंग्रीन' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

2. माह - फरवरी

प्रथम सप्ताह :- 'गैंग्रीन' कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अतिलघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

द्वितीय सप्ताह :- मोहन राकेश का साहित्यिक परिचय, 'मलबे का मालिक' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

तृतीय सप्ताह :- मलबे का मालिक कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु, अतिलघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

चतुर्थ सप्ताह :- फणीश्वर नाथ 'रेणु' का साहित्यिक परिचय, 'ठेस' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

3. माह - मार्च

प्रथम सप्ताह :- 'ठेस' कहानी व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अति लघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

द्वितीय सप्ताह :- 'मैत्रेयी पुष्पा' का साहित्यिक परिचय, 'फैसला' कहानी की व्याख्या की शुरूआत।

Meen

तृतीय सप्ताह :- 'फैसला' कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु, अति लघु और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

चतुर्थ सप्ताह :- ओम प्रकाश बाल्मीकि का साहित्यिक परिचय, 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु, अति लघु प्रश्नोत्तर, आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

पंचम सप्ताह :- होली अवकाश

5. माह - अप्रैल

प्रथम सप्ताह :- हिन्दी साहित्य की आधुनिक कालीन परिस्थितियाँ, भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास

द्वितीय सप्ताह :- हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, प्रमुख कहानीकार एवं नाटककार

तृतीय सप्ताह :- हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास, पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व

चतुर्थ सप्ताह :- पारिभाषिक शब्दावली के गुण, पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी।

पंचम सप्ताह :- दोहराई एवं सैशनल टैस्ट।

राजकीय महाविद्यालय बड़ौता, गोहाना
पाठ योजना
बी०ए० प्रथम वर्ष, सत्र - (2023-24)

माह- जनवरी

प्रथम सप्ताह — जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय, हिन्दी नाट्य साहित्य का इतिहास, जयशंकर प्रसाद का हिन्दी नाट्य जगत में स्थान।

द्वितीय सप्ताह :- नाटक के तत्व, प्रकार, ध्रुवस्वामिनी नाटक परिचय, कथानक।

तृतीय सप्ताह :- ध्रुवस्वामिनी नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय, एवं चरित्र-चित्रण।

चतुर्थ सप्ताह :- ध्रुवस्वामिनी नाटक की व्याख्या, प्रथम 'अंक' के प्रथम दृश्य की व्याख्या की शुरुआत।

पंचम सप्ताह — प्रथम अंक की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु एवं अति लघु प्रश्नोत्तर।

माह- फरवरी

प्रथम सप्ताह — द्वितीय अंक की व्याख्या की शुरुआत, एवं पात्रों का परिचय।

द्वितीय सप्ताह - द्वितीय अंक की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु एवं अति लघु प्रश्नोत्तर

तृतीय सप्ताह - तृतीय अंक की व्याख्या की शुरुआत, इस अंक में आए नए पात्रों का परिचय।

चतुर्थ सप्ताह - तृतीय अंक की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु एवं अतिलघु प्रश्नोत्तर।

माह- मार्च - ध्रुवस्वामिनी नाटक पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर
प्रथम सप्ताह नाटक का उद्देश्य, नायकत्व, शीर्षक का औचित्य

Meen

द्वितीय सप्ताह – ध्रुवस्वामिनी नाटक की संवाद-योजना, कथानक, चरित्र-चित्रण ।

तृतीय सप्ताह – हिन्दी साहित्य का भक्ति काल : सामान्य परिचय
भक्ति काल की समय सीमा का निर्धारण
उद्भव के कारण एवं प्रेरणा स्रोत ।

चतुर्थ सप्ताह – भक्ति काल की परिस्थितियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ

पंचम सप्ताह – होली अवकाश

माह-अप्रैल

प्रथम सप्ताह – निर्गुण काव्य धाराएं
संत काव्य धारा : प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ
सूफी काव्यधारा : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

द्वितीय सप्ताह – सगुण काव्य धाराएं
राम भक्ति काव्यधारा : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि
कृष्ण भक्ति काव्य धारा : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

तृतीय सप्ताह – भक्तिकाल का महत्त्व, हिन्दी भाषा : प्रमुख बोलियाँ, भाषा के विभिन्न रूप ।

चतुर्थ सप्ताह – भाषा और बोली की विशेषताएं, वर्तनी ।

पंचम सप्ताह – दोहराई और नेशनल टैस्ट ।

राजकीय महाविद्यालय बड़ौता, गोहाना
पाठ-योजना
बी॰ ए॰ तृतीय वर्ष, सत्र -(२०२३-२४)

माह - जनवरी

प्रथम सप्ताह - बालमुकुन्द गुप्त का साहित्यिक परिचय, 'आशा का अंत' निबंध की व्याख्या की शुरूआत।

द्वितीय सप्ताह - 'आशा का अंत' निबंध की व्याख्या और व्याख्यापर आधारित लघु, अतिलघु और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

तृतीय सप्ताह - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का साहित्य परिचय और 'उत्साह' निबंध की व्याख्या की शुरूआत।

चतुर्थ सप्ताह - 'उत्साह' निबंध की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु, अति लघु और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

पंचम सप्ताह :- महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय, 'गिल्लू' नामक निबंध की व्याख्या की शुरूआत।

माह - फरवरी

प्रथम सप्ताह - 'गिल्लू' नामक निबंध की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु, अति लघु एवं आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

द्वितीय सप्ताह - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय, 'देवदारु' निबंध की व्याख्या की शुरूआत।

तृतीय सप्ताह - 'देवदारु' निबंध की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अति लघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर

चतुर्थ सप्ताह - आचार्य विद्यानिवास मिश्र का साहित्यिक परिचय, 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की व्याख्या की शुरूआत।

माह - मार्च

प्रथम सप्ताह -
'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की व्याख्या तथा व्याख्यापर आधारित लघु, अति लघु प्रश्नोत्तर एवं आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर

Meen

द्वितीय सप्ताह – श्री हरिशंकर परसाई का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, 'सदाचार का तावीज़' निबंध की व्याख्या की शुरुआत।

तृतीय सप्ताह – 'सदाचार का तावीज़' निबंध की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अति लघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

चतुर्थ सप्ताह :– श्री राहुल सांकृत्यायन का साहित्यिक परिचय, 'तिब्बत के पथ पर' निबंध की व्याख्या की शुरुआत।

पंचम सप्ताह – होली अवकाश

माह – अप्रैल

प्रथम सप्ताह :– 'तिब्बत के पथ पर' निबंध की व्याख्या, व्याख्या पर आधारित लघु अति लघु प्रश्नोत्तर और आलोचनात्मक प्रश्नोत्तर।

द्वितीय सप्ताह :– हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास, हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ, हरियाणा की सांग परम्परा : उद्भव और विकास

तृतीय सप्ताह :– हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य, हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृत्तियाँ, और हरियाणवी गद्य साहित्य।

चतुर्थ सप्ताह :– पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार, शीर्षक की संरचना, सम्पादक के गुण और दायित्व, फीचर लेखन, स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा।

पंचम सप्ताह – सैशनल टैस्ट और दोहराई...